भारत-लिथुआनिया संबंध

प्रिलिम्स के लिये:

क्लेपेडा बंदरगाह, **बाल्टिक देश**, **सागरमाला परियोजना**, **भारत का ITEC कार्यक्रम**, लिथुआनिया के पड़ोसी देश

मेन्स के लिये:

भारत-लिथुआनिया संबंधों के प्रमुख पहलू

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** राज्य मंत्री और लिथुआनिया **गणराज्य के विदेश मंत्रालय में उप मंत्री ने भारत व लिथुआनिया के बीच समुद्री द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिये** नई दिल्ली में बैठक की।

बैठक के मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **विनियस में रेज़िडेंट मिशन का उद्घाटन: विनियस में भारत के रेज़िडेंट मिशन के उद्घाटन की सराहना की गई,** इसे लिथुआनिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिये भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया गया।
- **द्विपक्षीय व्यापार वृद्धि:** भारत ने **वित्तीय वर्ष 2022-23 तक 472 मिलियन अमेरिकी डॉलर की निरंतर वृद्धि का हवाला देते हुए द्विपक्षीय व्यापार के सकारात्मक प्रक्षेपवक्र पर ज़ोर दिया,** जो दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग में निरंतर वृद्धि का संकेत है।
- **पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर सहयोग और क्लेपेडा पोर्ट के लाभ: चर्चा सहयोग के अवसरों की खोज,** बंदरगाह बुनियादी ढाँचे के विकास **में भारत की विशेषज्ञता का लाभ उठाने पर केंद्रित थी।**
    - इस सहयोग का उद्देश्य पूर्वी यूरोप में महत्त्वपूर्ण **औद्योगिक क्षेत्रों** के प्रवेश द्वार के रूप में **लिथुआनिया की रणनीतिक** स्थिति का लाभ उठाना है।
    - चर्चा का केंद्र बिंदु **क्लेपेडा बंदरगाह के विशिष्ट फायदों** पर आधारित था, विशेष रूप से इसकी **वर्ष भर बर्फ मुक्त स्थिति** पर।
        - **कंटेनर ट्रांसशिपमेंट के लिये अग्रणी बाल्टिक बंदरगाह** के रूप में यह **पूर्वी यूरोप के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों** के लिये लाभप्रद भूमि संपर्क का दावा करते हुए व्यापार को सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।
- **विविध निवेश अवसर:** भारत ने व्यापक आर्थिक साझेदारी और सतत् विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **पोर्ट आधुनिकीकरण (PPP), पोर्ट कनेक्टिविटी, तटीय शिपिंग,** समुद्री प्रौद्योगिकी, सागरमाला परियोजना और डीकार्बोनाइज़ेशन पहल सहित विभिन्न क्षेत्रों में लिथुआनिया के लिये निवेश के अवसरों की एक शृंखला प्रस्तुत की।

//

भारत-लिथुआनिया संबंधों के प्रमुख पहलू क्या हैं?

- **ऐतिहासिक संबंध**
  - **भाषायी समानताएँ: लिथुआनियाई और संस्कृत भाषाएँ,** भाषायी समानताएँ साझा करती हैं, जो प्राचीन संबंधों का संकेत हैं।
    - पूर्व-ईसाई लिथुआनिया में प्रकृति की पूजा की जाती थी और वे देवताओं की त्रिमूर्ति- **परकुनास, पैट्रिम्पास** एवं **पिकुओलिस** का सम्मान करते थे।
  - **बौद्धिक आदान-प्रदान:** 19वीं सदी के दार्शनिक **विदुनास** ने वेदांत से प्रेरित एक दार्शनिक प्रणाली का निर्माण करते हुए **लिथुआनियाई और हिंदू आध्यात्मिक संस्कृति** के बीच समानताएँ बनाईं।
    - **एंटानास पोस्का और माटस साल्सियस** जैसे लिथुआनियाई यात्रियों ने 1930 और 1940 के दशक में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति को गहराई से जाना।
    - 1970 के दशक में **संस्कृत, विनियस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई**, जिससे भारत और लिथुआनिया के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा मिला।
- **राजनीतिक संबंध:**
  - **मान्यता:** भारत ने **वर्ष 1991 में USSR से लिथुआनिया की स्वतंत्रता** को स्वीकार किया तथा **वर्ष 1992** में राजनयिक संबंध स्थापित किये।
  - **दूतावास एवं वाणिज्य दूतावास:** लिथुआनिया ने वर्ष 2008 में नई दिल्ली में अपना दूतावास स्थापित किया तथा वर्तमान में भारत में इसके तीन मानद वाणिज्य दूत हैं।
    - भारत का एक मानद वाणिज्य दूत वर्ष 2014 से विनियस में कार्य कर रहा है।
  - **भारत-लिथुआनिया फोरम:** इसकी शुरुआत वर्ष 2010 में हुई, जो संस्कृति, शिक्षा, व्यवसाय तथा विज्ञान को शामिल करते हुए बहुआयामी संबंधों को बढ़ावा देता है।
- **व्यापार गतिशीलता:**
  - **लिथुआनिया से प्रमुख भारतीय आयात:** सब्जियाँ, लकड़ी तथा लकड़ी से निर्मित वस्तुएँ, कपड़ा, विद्युत मशीनरी और उपकरण, लोहा व इस्पात, ऑप्टिकल, फोटोग्राफिक एवं मापने के उपकरण।
  - **लिथुआनिया को प्रमुख भारतीय निर्यात:** परमाणु बॉयलर और रिएक्टर, भेषजीय पदार्थ (Pharmaceutical Products), मछली, कार्बनिक रसायन, तंबाकू एवं निर्मित तंबाकू, कपड़ा, लोहा और इस्पात।
- **सांस्कृतिक सहभागिता**
  - **योग तथा आध्यात्मिक रुचि:** लिथुआनियाई लोग भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, विशेषकर योग में गहरी रुचि रखते हैं। लिथुआनिया

में **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** को उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

- **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (ITEC):** 400 से अधिक लिथुआनियाई नामांकित आवेदकों ने **भारत के ITEC कार्यक्रम** के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लिया, जिससे परस्पर विद्वत्ता एवं सहयोग को बढ़ावा मिला।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-lithuania-relations